1. **गोपियों ने अपनी तुलना 'हाररल' पक्षी से क्यों की है?**
   A. हाररल पक्षी सदैव लकड़ी लिए उड़ता है
   B. गोपियों को हाररल पक्षी पसंद है
   C. श्रीकृष्ण के प्रति अपने एकनिष्ठ प्रेम के कारण
   D. श्रीकृष्ण के प्रति अपनी नाराजगी के कारण (C)

व्याख्या : हाररल पक्षी जैसे लकड़ी को कभी नहीं छोड़ता, वैसे ही गोपियाँ कृष्ण-प्रेम को नहीं छोड़तीं।

2. **"मन क्रम बचन नंद-नंदन उर" में 'नंद-नंदन' विशेषण किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?**
   A. श्रीकृष्ण B. गोपियाँ
   C. उद्धव D. नंद (A)

व्याख्या : 'नंद-नंदन' विशेषण श्रीकृष्ण के लिए प्रयोग हुआ है।

3. **"जागत सोवत स्वप्न दिन-रैन, कान्ह-कान्ह जकरी" से क्या भाव प्रकट होता है?**
   A. गोपियाँ केवल योग पर ध्यान करती हैं
   B. गोपियाँ हर समय कृष्ण का स्मरण करती हैं
   C. गोपियाँ उद्धव का संदेश दोहराती हैं
   D. गोपियाँ संसार का सुख भोग रही हैं (B)

व्याख्या : यह पंक्ति दर्शाती है कि गोपियाँ दिन-रात, स्वप्न और जागरण में केवल कृष्ण का नाम जपती हैं।

4. **गोपियाँ उद्धव के योग-ज्ञान को किससे तुलना करती हैं?**
   A. मीठे फल से
   B. कड़वी ककरी से
   C. नदी की धारा से
   D. शीतल जल से (B)

व्याख्या : योग-साधना की बातें गोपियों को कड़वी ककरी जैसी लगती हैं।

5. **"सुतौ ब्याधि हमकौं लै आए" में 'व्याधि' किसे कहा गया है?**
   A. उद्धव की बातें
   B. उद्धव का योग-ज्ञान
   C. श्रीकृष्ण का विरह
   D. श्रीकृष्ण का प्रेम (B)

व्याख्या : गोपियाँ उद्धव के योग-ज्ञान को रोग समान कष्टकारी मानती हैं।

6. **गोपियों के लिए कौन-सा अनुभव असहनीय है?**
   A. योग का अभ्यास
   B. उद्धव का संदेश
   C. श्रीकृष्ण का वियोग
   D. संसार की निंदा (C)

व्याख्या : गोपियों के लिए सबसे असहनीय अनुभव कृष्ण का वियोग है।

7. **गोपियाँ योग का संदेश किनके लिए उपयुक्त मानती हैं?**
   A. जो श्रीकृष्ण से प्रेम नहीं करते
   B. जिनका मन स्थिर नहीं है
   C. जिनका मन स्थिर है
   D. श्रीकृष्ण स्वयं (C)

व्याख्या : गोपियाँ मानती हैं कि योग और ज्ञान का उपदेश केवल उन्हीं के लिए उचित है जिनका मन स्थिर है।

8. **"यह तौ सूर नितनहि लै सौंपौ, जिनके मन चकरी" में 'चकरी' का क्या अर्थ है?**
   A. घूमने वाला खिलौना
   B. एक प्रकार का पक्षी
   C. स्थिर मन
   D. ज्ञान का स्रोत (A)

व्याख्या : 'चकरी' घूमने वाले खिलौने को कहते हैं, यहाँ अस्थिर मन का प्रतीक है।

9. **गोपियों की दृष्टि में उद्धव का योग-ज्ञान क्यों व्यर्थ है?**
   A. क्योंकि वे पहले से साधक हैं
   B. क्योंकि वे कृष्ण-वियोग में हैं
   C. क्योंकि उन्हें सांसारिक जीवन अच्छा लगता है
   D. क्योंकि उन्हें योग का महत्व नहीं मालूम (B)

व्याख्या : गोपियाँ केवल कृष्ण-प्रेम में डूबी हैं, इसलिए योग-ज्ञान उन्हें व्यर्थ प्रतीत होता है।

10. **इस पद से हमें कौन-सा जीवन-संदेश मिलता है?**
   A. योग से मन स्थिर होता है
   B. एकनिष्ठ प्रेम से ही सच्ची भक्ति सम्भव है
   C. संसार का सुख ही सबसे बड़ा है
   D. उपदेश सुनना सबसे आवश्यक है (B)

व्याख्या : पद में गोपियों की कृष्ण-भक्ति के माध्यम से एकनिष्ठ प्रेम और भक्ति का महत्व बताया गया है।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें।
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App